ग्वालिन और उसकी बाल्टी

कैरल बार्नेट

ग्वालिन और उसकी बाल्टी

कैरल बार्नेट

प्रिय बच्चों,

क्या आप दूध की बाल्टी से कोई पोशाक बना सकते हैं? इस कहानी की युवा ग्वालिन ने सोचा कि वो वैसा कर सकती थी. क्या आपको वो संभव लगता है? कहानी पढ़ें और मालूम करें. मुझे पता है कि आपको यह कहानी बहुत पसंद आएगी.

मार्शा एक ग्वालिन थी. वो एक बड़े फार्म पर रहती थी जो एक गांव के बाहर स्थित था.

वह गायों का दूध दूती थी.

वह मुर्गियों को चुग्गा भी खिलाती और उनके अंडे इकट्ठा करती थी और घोड़े को ब्रश करती थी.

मार्शा को फार्म पर रहना और काम करना पसंद था.

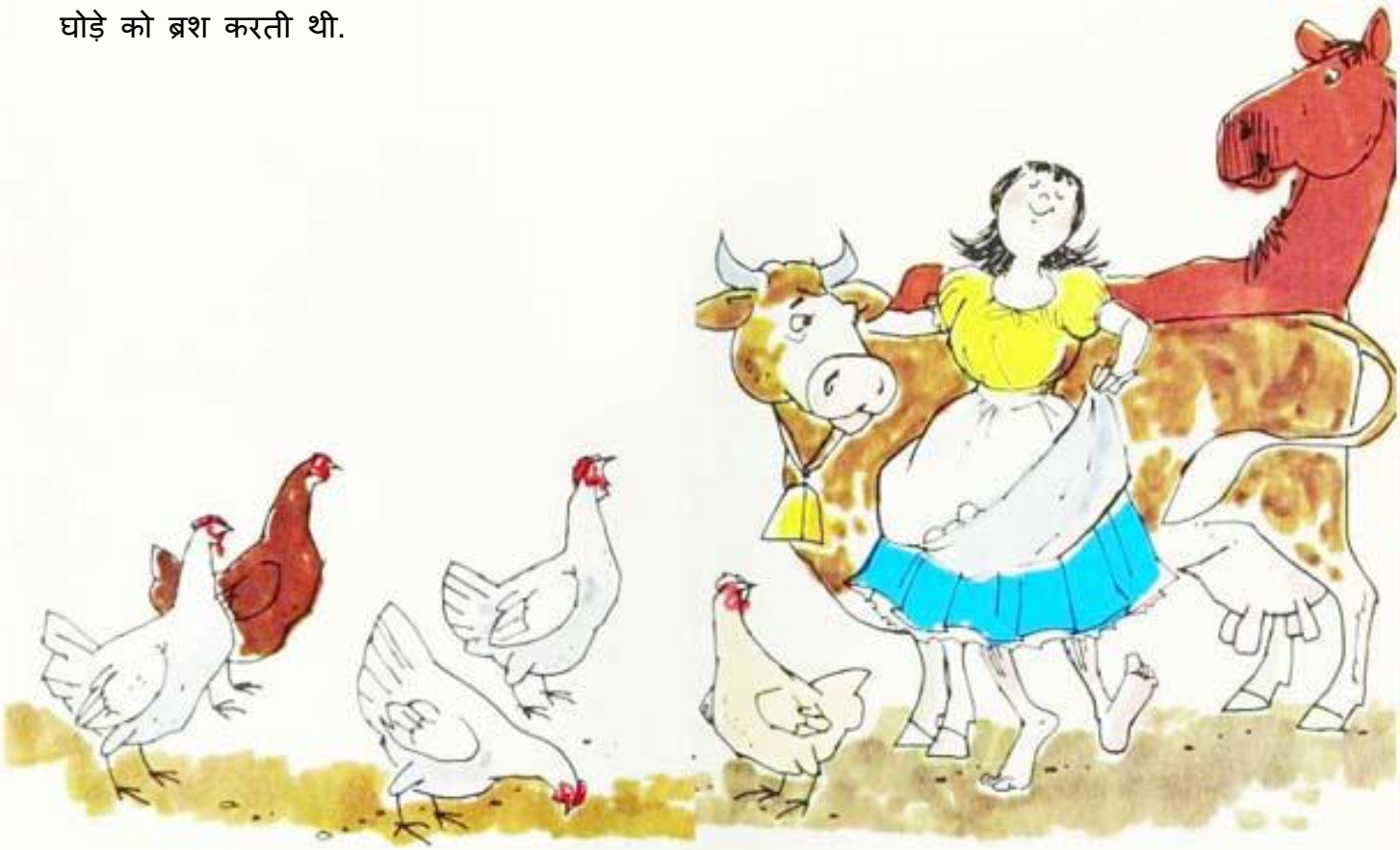

उसे सपने देखना भी पसंद था. उसने भव्य महलों, सुंदर नवयुवकों, और कई अन्य सुंदर चीजों के बारे में सपने देखे थे.

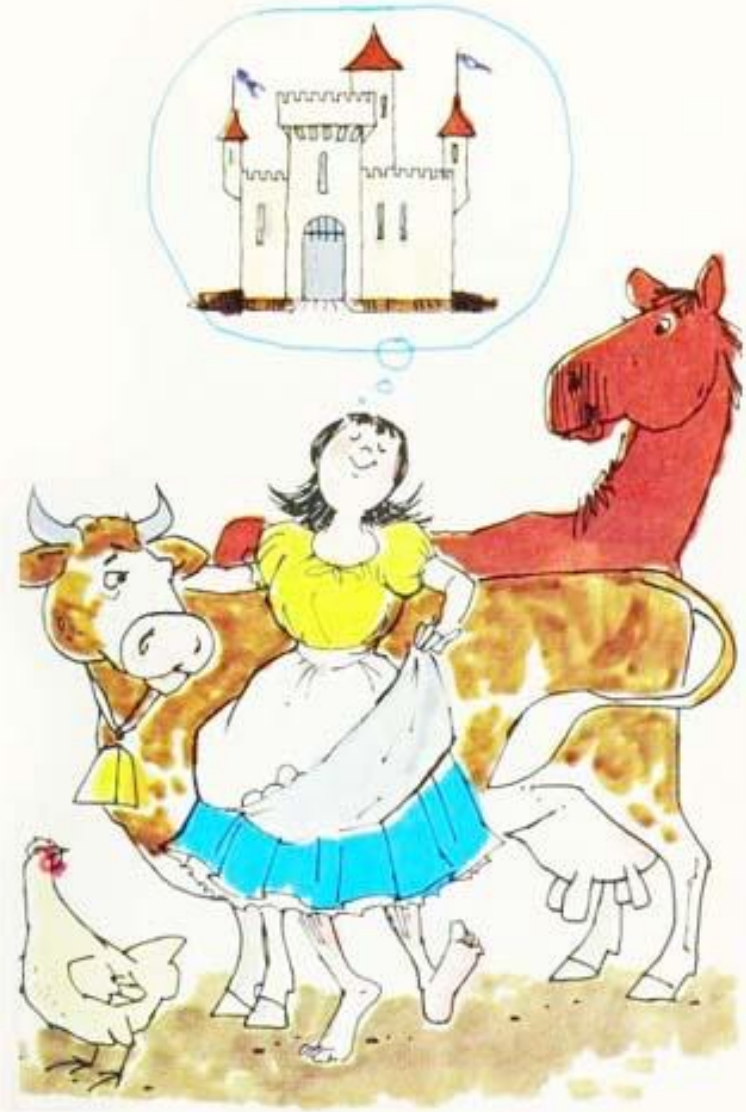

सबसे बढ़कर, मार्शा ने एक नई पोशाक के बारे में सपना देखा—एक बहुत खास पोशाक के बारे में. वो दुनिया की सबसे खूबसूरत पोशाक थी.

उसने दिसंबर में क्रिसमस नृत्य के समय दुनिया की इस सबसे खूबसूरत पोशाक को पहनने की योजना बनाई.

"ऐसी पोशाक खरीदने के लिए तुम्हें बहुत सारे पैसों की ज़रुरत होगी," उसके दोस्तों ने उससे कहा.

"वो पैसे तुम्हें कहां से मिलेंगे?"

"तुम लोग उसके बारे में चिंता मत करो!" मार्शा जवाब देती. "मेरे पास पैसों के लिए एक योजना है."

अगली सुबह मार्शा बहुत जल्दी उठी और खलिहान में गई.

"नमस्ते, बेसी," उसने गाय से कहा. "तुम बहुत भाग्यशाली गाय हो. तुम ही दुनिया की वो सबसे खूबसूरत पोशाक खरीदने में मेरी मदद करोगी."

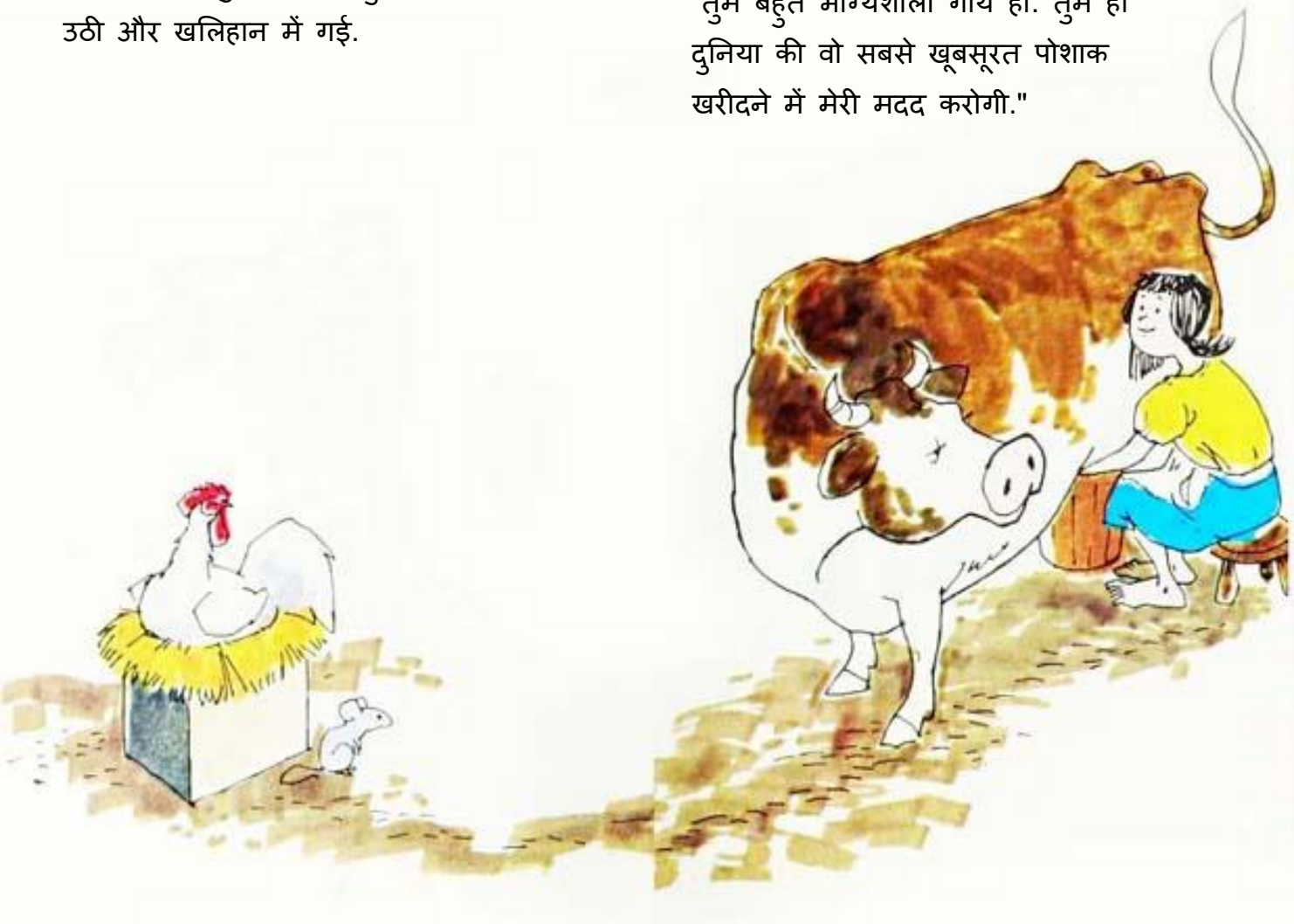

"वो एक हल्की नीली पोशाक होगी जिसमें बहुत लम्बी सफेद लेस लगी होगी. मैं उसे क्रिसमस नृत्य पर पहनूंगी, और फिर मैं पार्टी में सबसे सुंदर लड़की बनूंगी.

वैसी पोशाक खरीदने के लिए मुझे बहुत सारे पैसों की ज़रुरत होगी. बेसी, तुम उन पैसों को इकट्ठे करने में मेरी मदद करोगी. अच्छा, बेसी, तुम इसके बारे में क्या सोचती हो?"

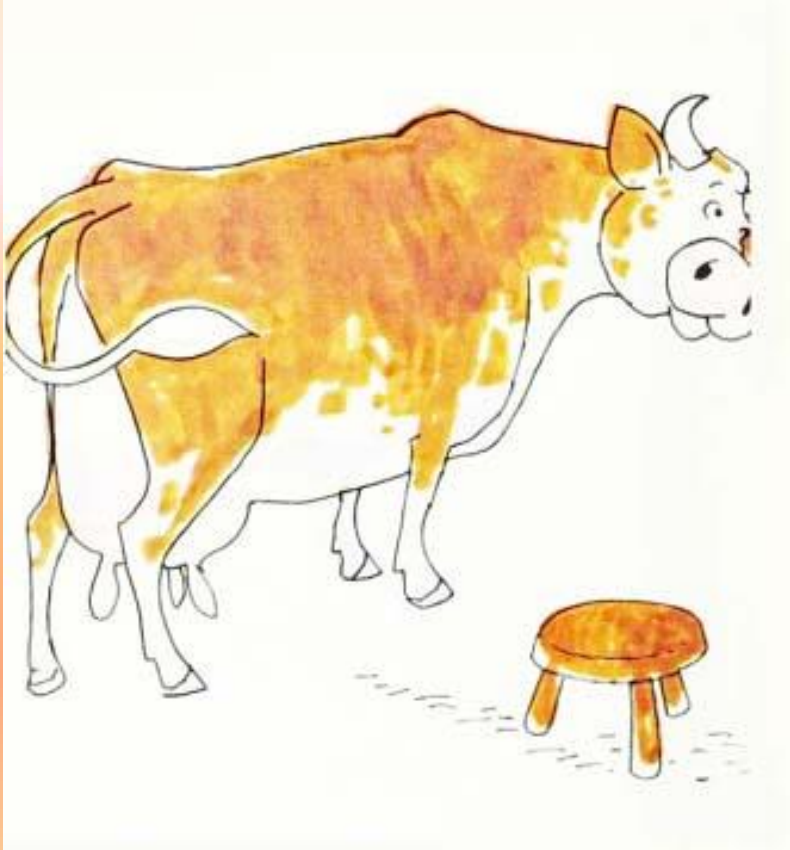

"मू-मू," बेसी ने कहा.

"तुमने क्या कहा?" मार्शा ने गाय से पूछा.

"तुम जानना चाहती हो कि कैसे? ठीक है, मैं तुम्हें बताती हूँ."

"पहले मैं इस बाल्टी के दूध को बेचूंगी. उस दूध के पैसों से, मैं एक मुर्गा और दो मुर्गियाँ खरीदूंगी. उन मुर्गियों के बहुत सारे चूज़े होंगे. वे चूज़े बड़े होकर मोटी-मोटी मुर्गियाँ बनेंगे."

"मैं उन बड़ी मोटी
मुर्गियाँ को मेले में बेचूँगी."

"मैं मेले में झूले की सवारी पर कोई पैसा खर्च नहीं करूंगी. मैं कैंडी, केक और गुब्बारों पर भी एक पैसा खर्च नहीं करूंगी. मैं मेले में कुछ भी चीज़ नहीं खरीदूंगी."

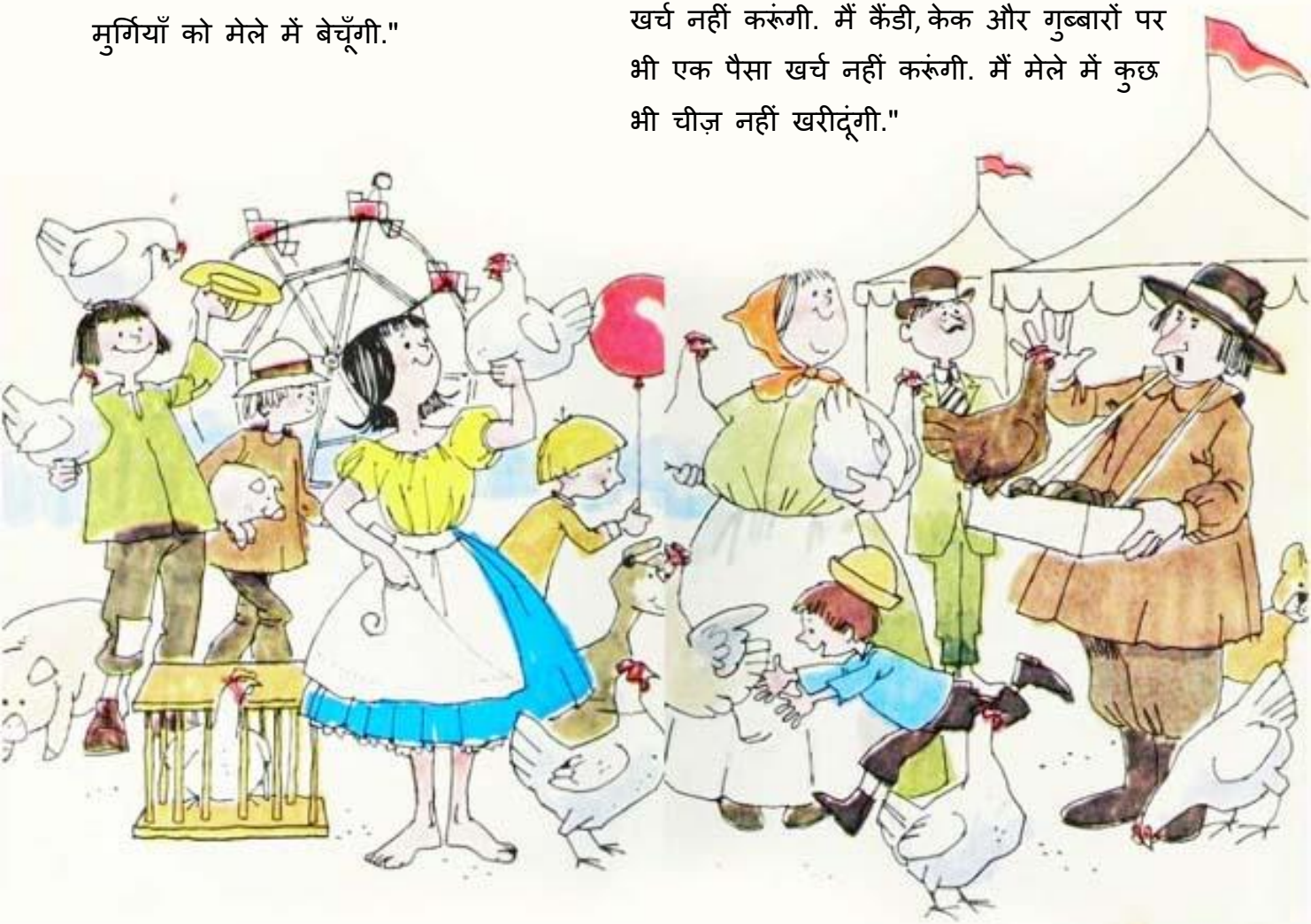

"मैं दुनिया की सबसे सुंदर पोशाक खरीदने के लिए अपने सभी पैसे बचाऊंगी. उस नीली पोशाक में सुन्दर लम्बी सफ़ेद लेस लगी होगी!"

"मैं उस पोशाक को पहनूंगी -
मैं दुनिया की सबसे खूबसूरत पोशाक
को, क्रिसमस नृत्य के लिए पहनूंगी."

"पहले, मैं अपने बालों को घुंघराला बनाऊंगी. फिर मैं अपनी पोशाक पहनूंगी और अपने गले में एक कीमती हार पहनूंगा. फिर मैं कितनी सुंदर दिखूँगी!"

"क्रिसमस नृत्य में हर कोई मुझे घूरेगा और कहेगा, "ज़रा मार्शा को देखो! वो उस खूबसूरत पोशाक में कितनी अद्भुत दिखती है! उसे वो नायाब पोशाक कहाँ मिली?"

"उस पार्टी में मुझे अपने जीवन का सबसे ज़्यादा मज़ा आएगा. मैं नाचूंगी, गाऊँगी, पीऊंगी और स्वादिष्ट भोजन खाऊंगी."

"जब संगीत शुरू होगा तब सभी युवा मेरे साथ नृत्य करना चाहेंगे. अभी नहीं, मैं उनसे कहूँगी. शायद बाद में मैं आपके साथ नाचूंगी."

"तब सभी युवक मेरे लिए आपस में एक-दूसरे से लड़ेंगे. वे सभी मेरे साथ नृत्य करना चाहेंगे. लेकिन मैं उनमें से केवल एक के साथ ही नृत्य करूंगी."

"वो पार्टी में सबसे अच्छा दिखने वाला युवक होगा. मैं उससे बड़ी मधुरता से कहूंगी, 'क्या आप मेरे साथ नृत्य करना चाहेंगे?'"

"वो युवक मुस्कुराएगा और जवाब देगा, 'निश्चित रूप से मैं आपके साथ नृत्य करना चाहूंगा. हाँ, आप इस क्रिसमस पार्टी की शान हैं?'"

"हम एक बार, दो बार, तीन बार
नाचेंगे. नहीं, हम पूरी रात भर नाचेंगे."

फिर मार्शा ने अपनी आँखें बंद कीं और वो और सपना देखने लगी. वो क्रिसमस पार्टी में थी, और वो एक सुंदर युवक के साथ नृत्य कर रही थी. उसने नृत्य किया और नृत्य किया और नृत्य किया. उसने संगीत की धुन पर ताली बजाई.

संगीत तेज और तेज होता गया. फिर मार्शा भी तेज और तेज नृत्य करने लगी. मार्शा को देखकर सभी जानवर डर गए. उन्हें डर था कि कहीं वो गिर न जाए.

लेकिन मार्शा रुकी नहीं. वो लगातार नाचती रही.....

... वो तेज़, और तेज़ी से नाचती रही.....

अचानक, वो एक पत्थर पर फिसल गई, और उसकी दूध की बाल्टी जमीन पर गिर गई.

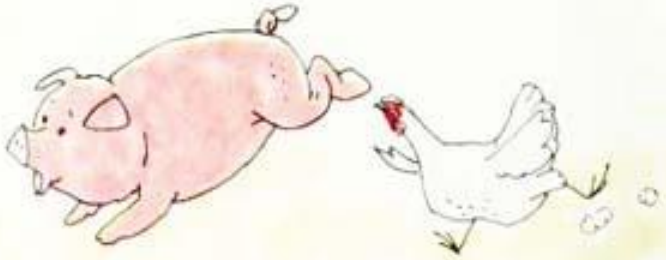

और मार्शा खुद भी ज़मीन पर गिर पड़ी!

"अब मेरे पास
दुनिया की सबसे खूबसूरत
पोशाक खरीदने के लिए
पैसे ही नहीं होंगे!"

"मेरी योजना बर्बाद हो गई है!" वो दुखी होकर चिल्लाई. "अब मैं दूध नहीं बेच सकती. मैं एक मुर्गा और दो मुर्गियाँ नहीं खरीद सकती, और मैं चूज़ों को पालकर अब मोटी मुर्गियां नहीं बना सकती."

मार्शा बहुत दुखी थी, लेकिन उसने एक बात ज़रूर सीखी:
"मुर्गियों के पैदा होने से पहले उन्हें गिनो मत!"

समाप्त